Date: 02/02/2026

MJC-3/MIC-3/MDC-3

Function : Types

→ मर्टन ने सभी प्रकार्यों को दो प्रमुख भागों में विभाजित किया-

(i) प्रत्यक्ष प्रकार्य (Manifest functions)
(ii) निहित प्रकार्य (Latent functions)

→ प्रत्यक्ष प्रकार्य (Manifest function)

* मर्टन – " प्रत्यक्ष प्रकार्य वे वैषयिक परिणाम है जो सामाजिक व्यवस्था के अनुकूलन का गुण उत्पन्न करते है तथा जो इस व्यवस्था में भाग लेने वाले व्यक्तियों द्वारा इच्छित और मान्य होते हैं।"

"Manifest functions are those objective consequences contributing to the adjustment of adaptation of the system which are intended and recognised by the participants of the system".

नोट:- इस कथन से स्पष्ट होता है:-

(i) ये प्रकार्य जनकल्याण के सामान्य लक्ष्यों को पूरा करते हैं।

(ii) ये प्रकार्य की आशा पूर्व से ही व्यक्तियों द्वारा की जाती है।

(iii) इन प्रकार्यों को समझने के लिए हमें बुद्धि का बहुत अधिक उपयोग करना नहीं पड़ता।

उदाहरण: शिक्षा का एक प्रकार्य व्यक्ति को आजीविका प्राप्त करने की योग्यता प्रदान करता है। → ये शिक्षा का प्रत्यक्ष प्रकार्य है जिससे सभी व्यक्ति परिचित होते हैं और आशा करते हैं कि शिक्षा के परिणाम स्वरूप वे आजीविका पाने के योग्य बन सकेंगे।

विवाह का प्रत्यक्ष प्रकार्य समाज में नियंत्रण की स्थापना करना है।

नोट:- उपर्युक्त उदाहरण से स्पष्ट होता है कि सामान्य व्यक्ति किसी इकाई से जिन कार्यों की आशा करते हैं, वह उस इकाई का प्रत्यक्ष प्रकार्य होता है।